TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4447**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥६०॥ ॐ नमः श्रीवीतरागाय॥ ॥नमिउं अरिहंताइं ठिइ भवणोगाहणा य पत्तेयं। सुरनारयाण वोछं नरतिरियाण विणा भु
वणं॥१॥ उववाय चवण विरहं संखं इगसमइयं गमागमणे। दसवाससहस्साइं भवणवईणं जहन्नठिई॥२॥ चमर बलि सार महि
यं तद्देवीणं तु तिन्नि चत्तारि। पलियाइं सड्ढाइं सेसाणं नवनिकायाणं॥३॥ दाहिणदिवड्ढ पलियं अद्धं तित्थुत्ति देसूणा
॥ तद्देवि सड्ढपलियं देसूणं अद्धकोसं॥४॥ वंतरियाणं जहन्नं दसवाससहस्स पलियमुक्कोसं॥ देवीणं पलियद्धं पलियं अहि
यं ससिरवीणं॥५॥ लक्खेण सहस्सेण य वासाणं गहाण पलियमेयासिं। ठिइ अद्धं देवीणं कमेण नक्खत्त ताराणं॥६॥ पलियद्ध च
उभागो। चउअडभागाहिगाउ देवीणं। चउजुअल चउभागा। जहन्न मडभाग पंचमए॥७॥ दो साहि सत्त साहिय द
उरस ७ स चउदस सत्तर अयर जा सुक्को। इक्किक्कमहिय मित्तो जा इगतीसुवरि गेविज्जे॥८॥ तित्तीस अणुत्तरसु। सोहम्माइसु
इमा ठिई जिट्ठा। सोहम्मे ईसाणे जहन्नठिई पलियमहियं च॥९॥ दो साहि सत्त दस चउदस सत्तर अयरा
इं जा सहस्सारो। तप्परउ इक्किक्कं अहियं जा अणुत्तरचउक्के॥१०॥ इगतीस सागराइं सव्वट्ठे पुण जहन्नठिई नत्थि।
परिगहियाणियराणि य। सोहम्मीसाण देवीणं॥११॥ पलियं अहियं उक्को ठिई जहन्ना इयरुक्कोसा। पलियाइं सत्त पन्नास
सहय नव पंचवन्ना य॥१२॥ पण छ चउ चउ अट्ठ य कमेण पत्तेयमग्गमहिसीउ॥ असुर नागाइ वंतर जोइस कप्पदुगिंदाणं॥
दुसु तेरस दुसु बारस छ प्पण चउ चउ दुगे दुगे य चउ। गेविज्जणुत्तरदस। विसहिय पयराउ वरि लोए॥१४॥ सोहम्मुक्कोस ठिई
नियपयर विहत्तु इच्छ संगुणिया। पयरुक्कोस ठिई उ सव्वत्थ जहन्नउ पलियं॥१५॥ सुरकप्पठिई विसेसो सगपयर विहत्तु इच्छसंगु

२६२१

1

णिअं विहिदत्त विईसदिता इछिअपयरं मिनकोसा ॥ दहुरस्स डिईदारंसमस्सं ॥ ॥ पदमुखे वस्त्र वण्णदारं तन्न ॥ ॥ अंबुरा
भोग सुवन्ना विंधुत्र गौमिदोवंदहा म ॥ दिसि पर्वण्णु तिअंदसविहं नव णवई तस्सुदुदुईदा ॥ १७ ॥ चमर रबली अधरले
सयाणंदसनवणुदविस्स ॥ तत्ता अवणुदाली ॥ हरिकंत हरिस्सा द्विसवा ॥ १८ ॥ अग्गिसिहअग्गिमाणव वसुन्नविसाढ तह्व वत्र
लकंत ॥ जलपडुत ह अमियगईमिय वाहण दाहिणउत्तराः ॥ १९ ॥ वलं ववयप्पतं जयाघा समहा घासं एमिमन्नयारा ॥ जंबुदीवे
उत्तराम रुदंडं पडु काऊ ॥ २० ॥ वत्तसी सावत्त वत्ता अहसासायं अवपंवन्नं पन्नारवस्रा कमसा ॥ सकाणवण्णाणं दाहिणओ ॥ २१ ॥ च
त्र चउलक्कविल्ला ॥ सावईयाखवत्तरदिसाय स छवि सत्त काडी ॥ भावन रिधोतिलरकाय ॥ २२ ॥ समणापुहिंदु
वरिं जाअणसहस्सं विमुत्तं तुवणा जंबुदीवसा ॥ भातदसेरखमसंखिजा दिन्ना ॥ २३ ॥ डामणिफणिशरुडवज्जत
ह कलसंसीद अ ॥ २४ ॥ मयमरबद्धमाणेअ ॥ सुराईणं सिणासु चिंधं ॥ २५ ॥ असुरा काला नागुदहिपंडुरा तह
सुवन्नदिसिथणिया ॥ कणगाभविजुसिहिदीवअरुणवाऊपिअंगुनिसा ॥ २६ ॥ असुराणवत्थरत्ता नागादहिविजुदीवसिहिदिन
ला ॥ दिसिथणिअसुवन्नाणंधवला वाऊणसंझरुई ॥ २७ ॥ वप्पसहिसहिअसुमहभमदसम्मा ईधरणमाईणं ॥ सामाणिआइ
मसिंवउगुणा आयरकाउ ॥ २८ ॥ रयणाइपढमजोअणसहस्स हिहुवरिसयसयविहूणा ॥ वंतरियाणं रम्मा ॥ भोमानगरा
असंखिजा ॥ २९ ॥ तत्तजंबुदीवतारहविदिद्धसमयुरुजदन्नमभिगमा ॥ वंतरवणाअहविहा पिसायभूयातहाजरका ॥ ३० ॥
रकसकिंनरकिंपुरिसामहोरगाअहमायगंधवा ॥ दाहिणउत्तरभया ॥ सोलसतेसिं इमे इंदा ॥ ३१ ॥ काले अमहाकालेसुरुव

पडिरूव भूय जक्खा लहुवे वमाणिल देवा ॥ मियत ह्यामहाली ॥ ३१ किंनर किंपुरिसे मप्पुरिसं महापुरिस नह मये वयस्स
कायो महकाय गयरकई गीयजस्स दुन्नि २ कमा ॥ ३२ चिंध कलंब सुलस वडखट्टंगा य आसो गयपंच पणपना गंबुरु मकप
खट्टंग विव ष्छिमा कक्का ॥ ३३ जक्क पिसाय महोरग गंधव्वा सामकिंनरा नीला सक्क महकिंपुरिसा विस्या धवला भूया पुणो
काला ॥ ३४ अणपन्नी पणपन्नी इसिवाय भूयवाइ एचेव कंदी य महाकंदी य कोहंडे चेव पयय पए ॥ ३५ इअ पढम जो अण
सएसु अणावए अट्ठ वंतरा अवरा तेसु इह सोलसिंदा रुअगअहो दाहिणुत्तरओ ॥ ३६ सम निद्दिवसंभा ओधमड धिभड यइ
सिया ॥ ३७ ... सरमाहेसा ... (margin: ×३मिश्र×५) । लिया ॥ ३७ सामहा भारई विधासय महा ... गाय अस
त्रे दसहि हो वसिकाम णअमियं ... | दसा मा पि याण वआरा म हसम मो लसम आयरक्का णं पन्न
पंसा ... सिवं नरव इस मिरवी णं ॥ ३७ समभूतला | अश्रछ दिदि सम जो अणे सब हिंस्म र सा ... रि दसुत्तर जोअ
णा सय मि विहे ति जोइसिया ॥ चंद रवि दिस जोअण असीइ तह सुब रिसमीयरि कत्तो अट्ठ सय लि मा इ ... वरिविहि मूलाणि
तारअ निम ॥ ४१ तारर विचंद रिरकापुस्सु काजी कनंगल मणियो सम समयनु कक ... असमाइ ... क मण तिगचम्मसु ॥ ४२
इक्कारस जोअण सयइग वीसिक्कारसाहिया कमसो मेरु अलोगा वादि जो इस चक्कं चरइ ठाइ ॥ ४३ अद्ध कविठा
गा फलिह मया रम्मा जोइस विमाणा वंतर नगरा हिंतो संखिज्ज गुणा इमे हुं ति ॥ ४४ ता जो अणि गमहिजा गा ...
उ... ॥ ४५ पणयाल लरक जोअण नरखित्तं ... सया ...

४सं४५

आसरसवळ्ळसंधळणलतिसयएयउमनिद्दिरयाण॥ वासळरदळनईउविजआवरकारकपिंदा॥६१॥ कुरुमंदरआवा
साकूसानरकळचंदसूराययाल्लविएवमाईयसळवळूणजनामा॥६२॥ तेनामादीवुदहीतिपडादाराएवाहीतिअरू
णाईजंरूलवणाईया॥ पळ्ळेयंतिअरूसंखिया॥६३॥ दाणंतिमसूरवरावसासजलदीवरंअइक्किका॥ दवनागजाख
भूएयसमंभुरमणाया॥६४॥ आरूणिवरखीरवराघयवरलवणायहोतिभिन्नरसा॥ कालायउकराअद्धिसयंभु
रमणाअउदगरसा॥६५॥ इकुरसासेसजलही॥ लवणकालायवरमिबउमळ्ळा॥ पणसगदसजायणसयतणूकम
॥सावसेसु॥६६॥ दासमिदारविपटामहुएगाल ... दुप्पणमिसइसंडा॥ बारससमिवारसरवितणयलिईनिदिहम
सिरविणा॥६७॥ तिगुणणउविलसउआअणंत॥ ... राणंतरंमिविवंमिकालालएवायाला॥ विसमरीउकरदंमि
॥६८॥ दादासमसिरविपंतीएगंनरियाउमसहिसं॥ ... खायामसंपयाहिणतीमा पुमखितपरिहुडंति॥६९॥ एवं
गहाइणाविकुतवरंधवपासवुविणातारा॥ तंविलपयाहिणंताखवमयापरितमंति॥७०॥ नरसवुलसीइसयं
हसमिरविमंडलमाअंतरवित॥ जायणपणसयदमहिअसामाअडयालइगसहा॥७१॥ मासिरविणालवुणां
मिहा॥ जायणसयतिन्नितीसमहिमाइंअसियंउजायणसवो॥ जंबुदीवेमिपविसेति॥७२॥ गहरिकतारसंखं
जविकिनाउमुदहिदीववा॥ तस्ससिदिएगसतिणागुणसंखाइमवर॥७३॥ बत्तीमवसवीसा॥ बारसअडचउविमाणल
रका॥ पन्नासचत्तछसहसा॥ कमेणसाहम्ममाईसु॥७४॥ दुसुमयवउसुमयतियमिगारस्साहियंतिगाहिहा

४संवं४१

3

मज्झेसत्तुत्तरसयमुवरितिगेसयमुवरिपंच॥७५॥ चुलसीइलरकसत्ताणवइसहस्साविमाणतेवीसा॥ सवसमुहालाग
मिइदसाविसहियपयरसु॥७६॥ उडुदिसिवउपंतीउवासहिविमाणिया पढमपयरा॥ उवरिइक्किकहीणा अणु
त्तरजावइक्किकं॥७७॥ इदयवहापतिसुतोकममासातंसवउरसावहा॥ विहिहावुप्पविकिन्नातयंतरमुत्तुपुव्वदि
सी॥७८॥ एगंतिमपयरवलिविमाणमुहलमितसमाम्हा॥ उपयरागमिइकप्पसहयंउप्पकिनमा॥७९॥ इगदिसिपंतिवि
माणातिविभचातंसचउरंसावहा॥ तंमसुरसंसामगंतिवावतुसुनसइकिकं॥८०॥ तेसुचउरंसलसुवा
तोरासिनितिगंपिवजयुणकाओवाहसुइंदय ... खिवपमरयणंमीलियंकप्पा॥८१॥ चुलसीअसीइवाव
रिसत्तरिसहियपन्नवाली॥ अत्तसुरतीस ... वीसा॥ दमसहस्साआयरक्कचउगुणिआ॥८२॥ कुतिपु
लिगुक्कप्पसुंघणादहिघणवायतदुभयंचा ... कमासुतहवामउहाणंआगासपइट्टियाउवरि॥८३॥
सत्तावीससयाईपुढवीपिंडाविमाणउवत्तं॥ पंचसयाकप्पदुगेपढमेतत्तोयपरिक्किकं॥८४॥ हायइपुढवीसुसयंव
ड्ढइभवणेसुदुदुकप्पेसु॥ चउगेनवगेपणगेतहेवजाणुत्तरेसुभवे॥८५॥ इगवीससयाइपुढवीविमाणमि
क्कारसेवयसयाइंबत्तीसा॥ जोअणसयाइंमिलियासव्वत्थवि[illegible]॥८६॥ पणवउतिदुवन्नविमाणसधयकुसुडुसुजास
हस्सारा॥ उवरिसियसुवन्नवंतसंजायबीयाणंपि[illegible]॥८७॥ रविउदयत्थंतरंचउणवइसहस्सपणस
यछवीसा॥ बायालसट्ठिभागाकक्कडसंकंतिदियहंमि॥८८॥ एयंमिपुणोगुणिएतिपणगसगनवहिंहोइकमसो
॥तिउणमिदालरका[illegible]जायणलरकविसयअइरित्तसहस्सा॥

4

७ बहसया तिन्नी सातीसकला पंचगुणियं मि ॥ ६७ मनंगले ज बबसालविसमक्कडि सदस्सा । छसयपन्नासीया वउप्पन्नकला
तह तवगुणं मि अडलक्क सहा तं ॥ ६८ मनमयावनालाअ गरकलायइयकमाक्खरा । वंडाववलाउत्थणा वमायग
इतहा ख्रवरा ॥ ६९ इरुयगइं वउत्थं उत्थणाय रिक्कविनामम्मुकंति । एरिक्क व ह्निंमि मा विंगाइ दिवंउरा सुराकमसो ॥
॥ ७० विक्कं तं आसामंपरिदिस्र खिंतवाहिरिदां सुमंध मिणतिडमासला ॥ ववमाबावितपारे ॥ ७१ पाविति विम
णाणं कसिपिकुम्र हव तिडतियाईए । कमसउमा पवयंवंडाग ईडाञ्जहमा ॥ ७२ तिगुणणक पवउगापवउणे
णं तुम्हसुमिणिआ ॥ गविछ सनडणाण नवउ तणु अरवउक्क ॥ ७३ पढमपयरं मिपढमक पुउडुता माइव
यविमाणी । पणयालं लक्कलोयमणालक्कं मवूढ बिसघवलं ॥ ७४ ब्रहलाम गोयुढ विश्रुरमूइकि छत्तह्व
साद्दं ॥ ॥ माहिदलं तसह सारवूममगि छलामनि ॥ ७५ सुर सुग वरण वाई समम्मा ॥ ॥ इति
गाहणादारं सम्मत्तं ॥ ० सवण वणलाइ । कोदंभीया ला समइ बनुमाणा । कुदुदि वउ द्धिन
विमणुअरद्दाणि पक्किद्ध ॥ ७६ कप्पडुगसुडुखु वउ गानव मायकाम्मजि इहिअयरा । दासनव उद्दहारंस
बावी सिगरीसतिनीसा ॥ ७७ विवर वाणिकु णा एक्कारस सागपाउत्ति पन याउ कि कारस सागरिया ॥ ७८
यरसम द्धियं मि ॥ ७९ नवमगेवअसरी राउकामणा पगुवणाय वुहीए । एवं ठिई विसेसा पणांकमारा इनणुमालो
८० लवधा रलिछ पमाउक्कास विउहिलवणालूखं । गविश्व सुलरसुंड रविउ विया नहि ॥ ८१ साहा विय
विउ वियतणुमहहली कामणा पारं ताश्रु उलअसंखसागो । अंगुलअसंखिताणाय ॥ सुरसुउ गाहणादारं

सम्मत्तं ॥ ॥ इह विंपिरह कालोउ ववायवहमाणं सम्मत्तं ॥ ॥ सामन्नेणं चउविहसुरेसु बारसमुहुत्तउक्कोसो उववाय
विरह काले अह भवणाइसु पत्तेयं ॥ ८२ भवणवणजोइ सोहम्मीसाणेसु मुहुत्ता चउवीसं । तो नवदिण वीसमु
हुत्त बारस दिण दसमुहुत्ताया ॥ ८३ बावीसस ह दिणबहा पणयालअसीइ दिणसयं तत्तो । संखिज्जा दुसु मासा
सुतना सिखुति गमुहुमा ॥ ८४ वासाण सया सहस्सा लक्कातह चउसुविजयमाइसु । पलियाअसंखभागो सव्वट्ठे संखे
भागो ॥ ८५ सव्वेसि पि जहन्नो समऊ एगा मवणवणविरहो । विइगह तिसंखअसंखा इगाममए एगन्हियवंति ॥ ८६
नरयविंदियतिरियाणु ववाओ सुरस नविपज्जमाणाओ । अन्नो चमाविसेसा तसिं ग इनारहमंडा ॥ ८७ नरतिरियसंखजीवी स
वि मिथ्रुम उणजंति दावहा । नित्र आउय समहीणा उपसुइसाणं अंतसु ॥ ८८ जंतसुक्कि मतिरियासवणवाए मंताजा
इसाइसु जंति मिच्छवगाउपलिया संखं समाउसु ॥ ॥ बालतवपडिबद्धा उक्कडरासा तवणगारविया वेरेण
यपडिबद्धा मरियं असुरस्सु उत्तायं ति ॥ ९० रज्जुग्गह विससलक्कणजलजलणपाव समस्सु दक्कु हगिरि
मिलपडणाउ मया सुहभावा होतिवाणा वनी ॥ ९१ तावस जाव जोइसिया वरगपरिवाय वंभलोगा जा जा सहसारा वंचि
दितिरि आ जाअच्च्युओ सद्वाअ ॥ ९२ जहलिंगि मिच्छदिट्ठी गेविज्जाजाव जंति उक्कासा । पयमवि असदहता सुत्तं भिच्छदिट्ठी उ ॥
सुत्तं गणहररइयं तह पत्तेयबुद्ध रइयं च । सुयकेवलि णारइयं अभिन्नदसपुव्विणा रइयं ॥ ९४ छउमत्थसंजयाणं
उववाओ ासजयस हिाहामि सिंसहाणं पियसहस्सा आहाइसाहम्म ॥ ९५ वेत मिवउ दसक्खिमता वसाइ णवंतर
सुतक्काए साववाय विहाणियकि रिय विया पसवा वि ॥ ९६ वहरिसदसारायो वेइमंवीसं परिसहनाराये नारायमहनाग

यकीलियातह्यछेवट्ठं॥४७एवछसंघयणा रिसाहा पढाझकीलियावट्ठं नराउमळुडवंधेनाराउवाहविनेउ॥४८छगा
अतिरिनराणं संमुछ्वणिं दिवि गन्न छेवट्ठं सुरनरइयाए गिंदियायसव्विअसंघयणा॥४९लवहिणउगम्मइचउराजाक
प्पकीलियाइसु॥चउसुदुदुकप्पसुद्दोपढमेणं जाव सिद्धा वि॥५०समचउरंससन गोहसाइवामण अखुडहुंडयजे
वाणाछसंठाणा संघछमलक्कणं पढमं ॥५१ नाहीउवरिबीयं तइयमहोपिट्ठिउयरउरवज्जं सिरिगीवपाणिपाएसुलक्क
णं तं चउत्थं विवरीयं पंचमं सव्वछसलक्कणं छट्ठं॥गब्भयनरतिरियछहा सुरा समा हुंडया सेसा॥५३ जंतिसुरा
संखाउयगब्भयपज्जत्तमणुयतिरिएसु॥पज्जत्तेसु य बायरभूदगपत्तेयगवणेसु॥५४तत्थविसणंकुमारप्पभिई
एगिंदिएसु नो जंति॥ आणयपमुहा चविउं मणुएसु चेव गछंति॥५५दोकप्पकायसेवी दोदोफरिस
रूवसद्देहिं॥चउरोमणेणुवरिमा अप्पवियारा
अणंतसुहा॥५६जं च कामसुहं लोए जं च दिव्वं महासुहं॥५७ एवं वीयरायदेवी णं कप्प दुगं जाव पर अणंतसुहा॥गम
णा गमणं नत्थि अच्चुयपरउसुराणंपि॥५८तियपलियतिसारतरससारा कप्पदुगतइयलंतअहो किब्बिसिय
नडुंवरिन्नरूयपरलोगमाई॥५९अपरिगहदेवीणं विमाणलरकाछ हुंतिसोहम्मे पलियाइसयसमया
हियठिइजासिं जावदस पलिया॥६०ताउसणंकुमाराणं वयंतपलियदस गाहिया ताव बंभसुक्कआणयआरणा
दिवाण पन्नासा॥६१ईसाणे चउलक्कासाहियपलियाइ समयअहियठिई जा पनरपलियजासिंताउ माहिंददेवाणं॥६२
एए णं कमेणं वंतसयसहस्सादिसय पलियस्सगाहा दीपलिनसहस्सारपाणायअच्चुयदेवाण पन्ना॥६३ किण्हानीलाकाउ

तेऊपम्हायसुक्कलेसा उ भवणवणपढमचउलेसजोइससकप्प दुगेतेऊ॥६४कप्पतियपम्हलेसा लंताइसु सुक्कलेस हुंति
सुरा॥कणगाभपउमकेसरवन्नादुसु तिसु उवरि धवला॥६५दसवाससहस्साइं जहन्नमाउं धरंति जे देवा॥तेसि चउत्थ
हारो सत्तहिं थोवेहिं ऊसासो॥६६ आहिवाहि विमुक्कस्स नीसासूसास एगागो पाणु सत्तइमंथो वोसो विन्न उ
णो लवो॥६७लवसत्तहत्तरीए होइमुहुत्तो इमंमि ऊसासा॥ सगतीससयतिहुत्तर तीसगुणा ते अहोरत्ते॥६८लक्क
तेरससहसानउअसयं अयरसंखयादेवे पक्खेहिं ऊसासो वाससहस्सेहिं आहारो॥६९दसवाससहस्सुवरि समयाहिजा
वसागरं ऊणं दिवसमुहुत्त पुहुत्ताआहार ऊसासा॥
सेसाणं॥७०सिरिराणो आहारो तयाइफासेण लोमआहारो॥ पक्खेवाहारो पुण कावलिओ होइ नायव्वो॥७१
उयाहारा सव्वे अपज्जत्ता पज्जत्ता लोमआहारा॥ सुरनिरयइ
गिंदिविणा सेसभवत्था सपक्खेवा॥७२सचित्ता
विव्वलोमआहारा वा आहारस्स बतिरियाणं मणुणराणं च न
हु सुहताइ याघाअविरिया॥७३अणाभोगा णाभोगासव्वे
सिं होइ लोमआहारो निरयाणं अमणुन्नो परिणमइ सु
रा णं समणुन्ना॥७४तह विगलनारयाणं अंतमुहुत्ता स होइ उक्कोसो पंचिंदितिरिनराणं साहाविय छट्ठअट्ठमओ
॥७५विग्गहमावन्ना केवलिणो समुहया अजोगीय सिद्धा य अणाहारा सेसा आहारगा जीवा॥७६केस
मट्ठिमंसनहरोम रुहिरवसचम्ममुत्त पुरीसेहिं रहियानिम्मलदेहा सुगंधिनीसासगयलेवा॥७७अंतमुहु
त्तेणं वियपज्जत्ता तरुणपुरिससंकासा सव्वंगभूसणधरा अजरा निरूया समा देवा॥७८अणिमिसनयणा मण
कज्जसाहणा पुप्फदाम अमिलाणा चउरंगुलेण भूमिं न छिवंति सुरा जिणा बिंति॥७९पंचसु जिणकल्लाणेसु चेव

6

मरुरिसिनवाणुलावाते॥जं मंतर ॥नादणय आगळंमीसुआ इदयं॥५०॥ कंत दिव्वपमां विसयपसत्ता समत्तकन्नबा॥ श्रण
दोणमणुयकछानरजवमको सुदंनइं तिस्तुरा॥५१॥ बत्तारि पंच जायणं प्रमाइं तो॥ धाउमणुयलो गम्मा उहं व बर ज
णं नकादवा ॥तण आवंति॥५२॥ दा पट मकप्पुट विदा दादा दा बीयतइयंव उत्थिं व ग्रेव रिम उ दा५॥ पासंतापंव मिंचुटविं ५३
ब हिं व ॥मा विआसन ॥मिआरत्र पुतरस्तुरा थं किं हणलो गानालिं असंखदीवुद दिति रियं ॥५४॥ बकुं अयरं उवरिम
गा ग्रेहं स विमाणच्छ लियधयाई ॥कणहसागारसंखाजा अण तप्परम संखा॥५५॥ पणवीस जोअणा लद्धू नारह्नव
गाव ण जोइक माणंग विद्युस्तुवराण एवदवं दुंदि द्विआ गारा॥५६॥ तप्पा मार पल्ल गय डह गजस्त रिमुहं
ग खण्ज व ॥ तिरिय मणुय स्वउ ब्धी मा ण वि कसं वि उस्स णि उ॥५७॥ इं नवण व ला णं बकुं गा व म
या ण ॥दो उंदो ॥ना रग ॥ऊ इस्त तिरियं नर ति रिया णं अण मवि हो॥५८॥ इ समदवाण लाणियं तिइ पमु
इं नारया ण ॥वा छा मि॥ इ गति लि सव्व दसम त अअ र [illegible] बा वी म तिन्नी सा॥५९॥ समय उ दवी सु विइं
जि छा व रि मा इ हि इ सुब वीए॥ दा इ कामण कालिहा ॥ दस वास सहस्स पदमा ए ॥ ६०॥
[illegible] नवदस मम सहस्सलरका उ बाणं ॥कादि अयरदससेत्ता मा॥ एगगला
गबुद्दीजा अयरं तरासि पया र॥ ६१॥ वुजिइ उदहमा उ णं दस वा सेसु दस्स लरक पयरइ गा ॥मा सपु उवरि जि
अ हा कलिछ ॥ अ पदइ व बि ॥६२॥ अवरि रिवरइ बिइ विमला मगपयर विसद्धी नुइ कुबुद्धिणि ज वरि मा स विइ विइस्स
दि अं रि छिय पयरं मिउ को मा॥६३॥ सन्नस्सुविन जविभणा अन्नोन्न कया विपदए ण दि वि णा पदरणा कया विपर्व
६

निरउवहा गंओपक्कानसंखाउ लहिएगि॥ विकिदरिज्जयरलक्षरिहा वजिणा जइ दि मिसमम पुइ विकमा॥६४॥ यणा इ हि गावयवना
रहुदयरुलक्क कमणा ॥पयवुद विगा मयइंदा यइजा मव मिहगाहं॥६५॥ नरयदारं समझा॥ ॥मणुय दारं सलइ गजलनरति प
लिया कु तिम रहमको लाता तजा ह न्न णं ॥ छिम नुहो विहोत मु कुमं युलासं सरआ गतएा॥६६॥ वारसमुहू गज्ज इ यारयन्न वीस
विरह उकोसा ॥ जंम मरणेसु समय जदन्न संख्या सुरसमाणा॥६७॥ सन्न मसदि नरइ पांत कंथा के अससंखंनर तिरिय॥ सुत्रणसे
मजीवाउ प्पज्जं वीस रजवे॥ मा॥६८॥ सुरान रइए दिं विय देवंति इ रियअरि दव किं व लिपदया॥ वउ विकसुरस्स किं वला विमाणि
या हो तिह रि अरिहा॥६९॥ इरि णा मणुस्स रयण ओ हां ति मा णु न दिं ॥दव दिं जसेइ संवरवयउ इयगय
ए वि दि रयणा णं॥७०॥ म मणा णे सु कं ठे वे दंड सुहा ॥ वयवम बंबी रयउन खग्गे उवमं तक्का गिणि व रु म लिया
॥ यव्वं तु लादु अं ख उपिक्क खाये म णी उपा ॥ दिमम उरयोसण वइगा हावइ वेइ इत्थी व किर यणाइं ॥ ३
चक्कंध णुखग्ग मणी गयाजाल्लास रयणा मा॥ अं सकं रयमा इरयणा इ॥ वा सुदव सा॥७१॥ तरा यउ सुगई
उ ति पंच सुविपट म संघयण इग हु तिजा अउसयं ॥ ममं पसति तिगदं ही ॥७२॥ सिद्धि इसमहुंस कं गउरि सइसयं उ एग
मएणं ॥सिद्धि इ थी इ अन्न सलिंग देउ दक्काइ हिसहस यं ॥७३॥ इ अउ मकि मा दासो उ अइसयं उहाहो ति रियालाए॥
यउ वा वी स इ सय दु समुद्दा दति लि सि ॥७४॥ मरयतिरिया गया दस नर दवगइ वी स अइ मय दस रयणा प के
र बालु याउ व उ पंक भु ह गओ ॥७५॥ अवणा वण दस तिरि विद समइ य वी स नारी उ ॥ अलसा इ पंच साद सउ ए तदवीतपव
यं ॥ जा इ दसा दवि वा विमाणि अ ह सयवीस ॥ दवी उ तकु सव पुदिं तो बरिमा ॥ होऊण अहसयं ॥७६॥ समइ सग
एसुं दस भि स अइ तिए गा समम मिहिर हाउ मासगपद अनुक्कस मसव वणमि इ नमि॥७७॥ इ समम पंचवचउ दिहिं
२

प्रति २४३

-नवदाउ-पाखांतरं-

लिए कोयमिश्रमालोमोबलीमाश्व्यमयानिरंतरंश्रंतरंगवरि॥बलीमाश्रडयाला।पहीनावरसीयशोधबाखुल
मीईबनतईडुरछिया।श्रहुतस्मयवा॥रणयालजरकजायणविरकंना।सीहि मिलफलिहविमला।नडव
रिगजायलंता॥लागंनातच।मिहठिही॥मणुयदारंमम्मरंं॥ ॥तिरियदारंनलह॥ठा॥ ॥बावीसम
गातिदसवासमदसामातितिदिए।विइदियाईसु।बारसवामाणपणपन्नदिणछमासतिपलियविईजिठं
॥पन्नरायसुदवालुयमणा।मिला-कसायरकरउदवी।इगबारसवरसदसामालजश्रहारबावीसन
ममहस्सा॥इगनसुअजलवणसुयगच्छारं गणुशकाडिश्राकाला।गङजउप्पयपरिकिसुतिपलिय
पलियाश्रसंखंमला॥गुहायरजयमानवा ॥ मयरंशबलुवासा।काडिलसकाउ।उप्पन्नेवसदसा
॥बाधवावासाकाडीणं॥लगमुहुवयिति यघलखवयुफरगमुयगजिहविइकमला।वास
सहमाजुजलालीविमवसीतिपन्नयपाला॥ एमासुढवाईणंसवहिईसपयंउकायविईवुप।
गिदिसुनयाउसपिणीश्रसंखिज्ञा॥ उवणंमिश्रणंतासंखिज्ञावासमहस्सविगलेसु।पंचिंदि
रिनरमु।ससहनवाउकाला॥सयावरसिविजमना।श्रंतमुहुत्तंनवयकाएया।जायणमहियेसहस्स।
गिंदियदेहमुक्ता॥बितिउरिदिसरीरंबारसजायतिकामवउकासंजायणसहस्समपणिंदियउ
दुहंविसमंजा॥श्रंगुलश्रसंखभागोसुहमनिगाउश्रसंखगुणवाऊ।ताश्रगीतउश्रांउतउभूमाजवेय
हवी॥ ॥ताबायरबाउगणीश्राऊढवीनिगायश्रणुकमसापनेयवणसरीरंश्रहियंजायणसहस्सं॥
पणसरदेहुलजोयणसहस्समाणजलासपनयीतंवसिपउनपतुहं।श्रउपरंखुहविदूवंउ॥इबारसजायण ८

मुत्तिघबरमाहुमिमकयावि॥बरसपांवेश्चसकरपंहाबालुयपंहपंकपहयधूमपहा॥तमंपहंतमतमपहाकमेण
पुढवीणयश्राशं॥घम्मावंसासेलाश्रंजणरिठामघायमाघवईनामपुढवीणश्राई॥छत्ताईछत्तसंठाणा॥घश्रसिई
बत्तीसश्रडवीसवीसश्रठारससालसश्रडसहस्सालक्खुवरिदुहविपिंडाघणुदहिघणुवायतणुवाया॥गयणंचपइठाणं
वीससहस्साईघणउदहीपिंडाघणतणुवायागामाश्रसंखलाश्रपाडश्रापिंडा॥नकुसंतिश्रलागसंठाणं
सपिउदवीवलयंसंगाविश्रा॥रयणाएवलयाणंलधपवमजोश्रणसंखा॥विरकंलाघणुतदहीघणतणुवायाणछे
इजहसंखंसतिलागागवयंगाउयंचतहगाउय तिलागा॥उपपवमसहोवजपसुविविहप्पयेकामणबीयाए॥
तिवग्रपचउग्रणो।तइयाइसुतंपिविवकमसो ॥भम्भि।छियउदविश्रहोघणुदहिपमुहाणपिंडपरिमा
णांलाणियंकमसोसंसिजायइजोवलयपरि ॥आणं॥तीसपणवीसपनरसदसतिन्निपणुणएगलरका
इपवयमरसाकमासो॥लसीलरकाइसया सु॥पत्तरिक्कारसनवसगपणतिन्निगपयरसचविरुपावन्ना
सिंइगुणवन्नाविहिमासलश्रउयाला॥पबीयाइसुपइरसुइगइगहीणाइहातिपंताउजास्तानिमहिपयरदि
सिइकिकाविदिसिनहि॥इगपयरगाहिमिसंखपश्रङगुणावइविणासहगमरवाजहम्मीमंतयपयरएगुणमउ
यासयातिन्नि॥श्रपइठाणपत्रउदामामुहमंतिमाहवहमीमुहहमिसमासहोपयरगुणाहाइसब्बधणं॥
बन्नवइसयातिपन्ना॥सत्तसुपुढवीसुश्रावलीनिरया।सेसतिमसीइलरकातिसयसीयालानवइसहसा॥पत्तिसद 8

सुत्ता मते संखम संविह्म विक्कडाया मा । वणयालस्सरक्कसी मं ततत्त लरकं अपज्जत्ताणा ॥ ७ ॥ ते सुद्धिह्मो वरिजायण
म हसंबा वा न्नमह [illegible] वुद्दवीइ नरयर द्धियं नरयाम संमि सत्ता सु ॥ ७८ ॥ विसद्धम्मू णा पुढवी तिसहस्स उणि
द्धि नियम पयारहिक्क णारू सुहुमाय वयरस्ता ईया पञ्च डंत रिया ॥ ७९ ॥ स्कोंना स्का णोसप्रसंमं संवनहारं संवृति अवगाहन
हा रमाद्धा ॥ ८० ॥ वणइधणु [illegible] पदह मा णमुक्कासा । मसामु डउण डुअणं पणुधणु सयउा वव रिमापा ॥ ८१ ॥ स्व
म्म सुय उम पयरदंड तिय [illegible] माणमणुपयरं । बणुमंगुलम सहा वुहीआ तरस ज्ञमं ॥ ८२ ॥ जोदह पमाणं उवरिमाइ सुदवीइ
अ तिमपयरो ति विय द्विहिम उव्वीसंप उ मपयरं मिवोध दं ॥ ८३ ॥ तं वि मूला यसमपयरं तइमं बीयाइपयरवुद्धि जवा तिकरदि
[illegible] समा सहउण वी मं ॥ ८४ ॥ धणुअं उल वीसं पनरस्स धणु ड न्नि दन्ड सद्दाया । बास द्धिध
णु दल्ल हा यणउ ढवीव सर बुद्धिया ॥ ८५ ॥ सयमाइ विस दाह उतरखेत्त द्धिउ यतहुउणा दुविहा विजइ ल्लकम
अ यल अस्संख संखंसु ॥ ८६ ॥ सतसुव उवी मुहुत्ता । समय वनर दि ण ग सुव उ क्ष मासा । ववाय ववणविरहा उदहबार
सम्मुक्कि वेसुहुत्ता ॥ ८७ ॥ लहुउ वहुदा विसमउ । संखा उण सुरमा मुणा यव्वा ॥ संखा उ पज्जत्त पणिं दितिरिनरा जंतितर एसु ॥ ८८ ॥
अस्सन्निसिरि सव पक्खीसीह उरगि त्थि जंतिजा बद्धिं कमसाउ क्कोसं णंस त म उद विम पुढ म ज्ञा ॥ ८९ ॥ बाला दादी पक्की
ला वरन या गया अद्द कूरा जंति वुणा नर एसुं । वाहु ल्लणं नउण तियमा ॥ ९० ॥ वयादावढम सुह विगम णो बवद्दिकीलिया इ
संघयणा । इ क्कि क्क उड विस्सहीअ आ इ तिले सा उ नर एसु ॥ ९१ ॥ दुसुकाऊ तइआ एकाऊ नीला यनीलपंका ए । [illegible] कि न्हा
हुसु किन्हा ढ्होति लेसा उ ॥ ९२ ॥ सुरनारया णता उदवाल सा अवहिया सणिया । ना वय सु वुत्ताए उ णए सिंद्धोति अलेसा ॥ ९३ ॥ ५
संखो तिकोस उमी । आय णं यस मरो सुद्धि मत्ता उपसु उय उ रुम गा उ अण उ जो यणु उ क्कुस्सा ॥ ९४ ॥ सवणपय अया । अ आइंसु यगा
गा उ उ म उ क्का वा । जोयणा मह स्सस मुरगा म का उ स्तवि यस हस्स ॥ ९५ ॥ पवि क्कि सुमधणु ल क्कुवं मया णं ग ल अ संख भाग ल
द्धा । विरहा विगला संना णजंम मरणेसु अंतमुहू ॥ ९६ ॥ गज्ज सुजन्न वारस मुहू उत्त ऊसमउ संख सरसत्ता । अणुसमय
म संखिज्जा पगिं दिमा हो तिम ववंति ॥ ९७ ॥ वणकाई उ अणं ता इक्कि काउ विज ति गाय उ । निरय मसंखा ना गा अणं तजी
वा व यइ एमा ॥ ९८ ॥ गाला यअसंखिज्जा असंख नियायग व इगा ला । एक्कि क्क मित्ति गा पुअणं तजीवा मुणायव्वा ॥ ९९ ॥ समवी
विकिसल उखलु उ गम माणा अणं तउ ण णिअणा । खव विवद्धं ता दोइ पर न्ना अणंता वा ॥ १०० ॥ जया मा ह्मा दउति
बा अन्ना णं खुम हच्छ आ पलवं वयणा अंतत याएगिंदियसवा ॥ १०१ ॥ तिरिए सु जंति संखाउ तिरिनरा जाकप्प
प्प दवाउ पज्जत्तसंखगञ्ज यबायर सुद गपरि त्त सु ॥ १०२ ॥ तासहस्सारंतसुरा निरया यपज्जत्त संखग ञ्ज
खु संखप णिं दियय तिरिया मरिउ च उसु वि गइसु जंति ॥ १०३ ॥ थावर विगला नियमा संखा उय तिरि नरेसु गच्छंति
। विगला लभिज्ज विरई सम्मं पिन लेज वाउ तेउ चुया ॥ १०४ ॥ पुढवि दगपरित्तवण बायर पज्जत्त हो ति वज लेसा । गब्भय ति
रियनराणं च उ लेसा ति न्नि सेसाणं ॥ १०५ ॥ तिरिन रआ गामि सवो ल्लेसा । एसु रानिरया सुव उउ लमासा । अंतमुहुत्ते
मरण मिंति ॥ १०६ ॥ अंतमुहुत्तवि ईए तिरिय नराणं हवं ति लेसा उ । चरमा नराण पुणनववासू णापुव्वकोडी वि ॥ १०७ ॥ तिरिया
ण वि ठिइ पमुहं उ णिसमासेण पि संमवेसु । अपि हि य दारअ ट्ठियं वउ गयउ जीवाण सामन्नं ॥ १०८ ॥ देवा असंखनर ति रि
इत्थी पुं वेयग ज्ञ नर तिरिया । संखा उया ति वेया नपुंसगा ना रगाईया ॥ १०९ ॥ आयं गुलेण वत्थं सरीर मुस्सेहअं गुलेण
तह पं म से पुढवि विमाणाईमि णासु पमाणं गुलेणं तु ॥ ११० ॥ सत्तेणासु तीरकण वि छित्तुं भित्तुं व जं किर न सक्का । तं परमाणं सिद्धाव

९

यंति आयुपमाणंणं॥४४परमाऊ नमरे णूदरेणू वालअग्गलिरकाय जूयजवो अ अंगुलाक मेण उस्सेहअंगुलयं
॥४५अंगुल छ की पाउ बारसा हुयणा विहिछि काहु उणादो डावउ दसूं धणु दुसहस्स कोसा॥नु जोयणं चउ कोसा॥४६ चउरस
यउणं पमाणं हत्थुस्सेहं अस्सहं गला उ आबाधली अनंद सुजा हुगणंयंभि स्ता यं उलरलिग्यो॥४७ अद्द वायसु पढे यंम
सगवणपालय णांदसखउ दुविमला कुहुसुर नारयंति रिय नर चउरुसुंन रस्स॥४८ जाणी पणदंलिलरका सा घस्सुल
माइ व्हचपिय्पं लिसम वन्नाइ त्या पंगा सा णी वस्सो मन्ना॥४९ एगंहिसु पचए बारस उलिग मत्त अहवीसा यो विगले
सुसनअड नवं डू इ खवइ चउ पयत्र उ गजुय ग सु॥५० अह तरस बारस दस दसन बगं नरामदनरए बारस अ
बीस पणवीसा वालंति कुलाकोडि लरकाउं पउरुस काहिमत्त नउई लरका सद्धा कुला णाकाडीणं सं युदु
जाणि सदं गिं दिनारयो वियउ विगलगसु सुमा॥५२ अविनाजाणि सुर निरयं मीसग कुनिलय
ससाणं सीअ सिणतिरय सुरगसंमीम लिउ सिणमस्स ति हो॥५३ युगरुभ रव वंनाजाणी कुखनय
इंजायंति अ रिहचरिव क्किरामा वंसी पनइ सम रा॥५४ आउस्स बंधकाला अंके दै बाह कालामं न समउ य अपद २५
णण पवत्तणं चक्कम सुवक्कमा उ णियाया॥५५ बंध ति दवनारया असंखतिरिनर छम्मासा सेसा का पर न वियाउ मसा
निरुवक्कमति भाग सेसा॥५६ सावक्कमा उ या उ णा सस तिभाग इ वान वमहाग सत्तावीस इमवा अंतमुउ
तंति म वा वि॥५७ उत्तम भंजय मज्जा णाणं बुंधा आउस्स न वि अवा कु काला लामा अं तउ ज्झाय इस गस मस्सवं कउउ पयस
मयंता॥५८ उज्जगइ पइसम सम एपरत्न वियआ कयं तदा हार ला वेका इ वीय समए परन वियाउ उदय स भयां सी॥५९ इ
हु तिय चवहा सुं डु गा इसम एसु परिनवा हार ग वक्को इ सुअ मया इगादो तिन्नि य अणाहारा॥६० व उ काल व

यणि जो कम्मं अप्पणो अभिद्दकालेण विद्दग्य इ हुज्ज गयं विय उ इ नस वप्पसमं॥६१ अप्पववतिणि हमेयं आउं अह माउ सेस
कम्मं पि। बंध समय विबद्दं सिढिलं विय तं जहा जो गो॥६२ जोउणगाढ निकायणं बंधणं उच्चमव किलच बद्दं ते दोइ अणपवत
णा जा णं कमाव यणि ज्झ फला॥६३ उतम चरम सरीरा सुर नारइ आ असंख नर तिरिआ हांति निरुवक्कमा उ दुहा विसं
सा मुण एय वा॥६४ जण उ सुवक्कमि अ इ अप्प समलिणाइ यरगणा वि। सा अज्झाव सा णाइ उ वक्कमो णुवकमा इ
यरा॥६५ अ उ वसाण निमिन्न आहार वेयणा पराघाए फास आणापाणू सत्त विहं झिज्झए आउं॥६६ दंडकमहरज
अग्गी उदगपडणं विसंवाला सीउण्हं अरय सया रवहु हापियास या व्वाहीय॥६७ मुत्त परीसनिरोहे जिण्णाजिण्णे य
भोयणे बहु सो। घंसण घोलण पीडण आउ॥ स्सवक्कमा एया॥६८ आहार सरय परियट्टा मदणा सुव
हु रकासा इ विति गद्दा। कोह म मा इ लोभ लिगा सा माय धम्मा॥६९ आहार सरीरिंदियप
ज्जत्ती आणपाण भास मणो॥ चउ पंच पंच छप्पिय इग विगलाऽसन्नि सन्नीणं॥७० आहार सरीरिंदिय ऊसास
वउ मणो ऽभिनिव्वित्ती। होइ जओ दलियाउ करणं इ सा उ पज्जत्ती॥७१ पणिंदिय ति बलू सासाउ य दस पाण चउ छ स
ग अहू इग दुति चउरिंदीणं असन्नि सन्नीण नव दस य॥७२ संसारि जीवा ना संगहणि रयणमंजूस मा वृ एसा। सिरिसिरि
चंद मुणिंदेणं निम्मिया अप्प उ बणट्ठा॥७३ संखित्तयरी उ इमा सरीर मोगाहणा य संघयणा। संना संठाण कसाय
लेस इंदिय दुसमुग्घाया॥७४ दिट्ठी दंसण नाणे जोगुवओगो व वाय चवण ठिई। पज्जत्ति किमाहारे सन्नी गइ रागई॥ इ 10
वेए॥७५ मलधारि हेमसूरीण सीस लेसेण विरइयं सम्मं॥ संगहणि रयणमेयं नंदउ जा वीर जिण तित्थं॥

इति मलधारिश्रीश्रीचंद्रसूरिविरचितं संग्रहणीरत्नं समाप्तं ॥ संवत् १५७७ वर्षे फागुण वदि चउद्दशी शनिवारे श्री खरतर
गच्छे श्री जिनधर्मसूरि पट्टालंकार श्री जिनचंद्रसूरि शिष्य वा० पेदेव सङ्गणि लिखिता ॥ श्रीरस्तु श्री श्रुतेरया दिति
श्री जेसलमेरु नगरे महाराज श्री देवकर्ण राज्ये ॥